B.Com. (HONS)
P3- A/cs & finance Group.
Paper - VI
Cost & Management Accounting.
Date. 11.07.2020

प्रो० अनिल कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय
राजनगर (मधुबनी)

UNIT - I

TOPIC - DIFFERENCE BETWEEN FINANCIAL ACCOUNTING AND MANAGEMENT ACCOUNTING

वित्तीय लेखांकन एवं प्रबंधकीय लेखांकन के बीच निम्नलिखित अंतर पाया जाता है :—

आधार	वित्तीय लेखांकन	प्रबंधकीय लेखांकन
1. विषय सामग्री	इसके अंतर्गत पूरे उपक्रम के लेखे तैयार किये जाते हैं, एवं उपक्रम की कुल कार्यकुशलता का मापन किया जाता है।	जबकि इसमें उपक्रम के विभिन्न विभागों अथवा लागत केन्द्रों के आधार पर विवरणों की तैयारी व विश्लेषण किया जाता है, तथा विभागीय स्तर पर कार्यकुशलता का मापन किया जाता है।
2. प्रकृति	इसका संबंध ऐतिहासिक समंकों से होता है तथा इसमें उन्हीं व्यवहारों का लेखा किया जाता है जो वास्तव में हो गये हैं।	जबकि इसका संबंध भविष्य के समंकों के प्रक्षेपण से होता है। इन आंकड़ों का प्रयोग उसी सीमा तक किया जाता है, जहाँ तक वे व्यवसाय की भावी स्थिति को प्रभावित करती है।
3. अनिवार्यता	यह लेखांकन उपक्रमों के लिए अनिवार्य होती है, तथा, जिन उपक्रमों में अनिवार्य नहीं होती वहाँ आवश्यक बन जाती है।	जबकि इस लेखांकन का प्रयोग ऐच्छिक होती है तथा इसकी प्रक्रिया के व्यक्तिगत रूप से निर्धारित नहीं होती।

Scanned with CamScanner

आधार	वित्तीय लेखांकन	प्रबंधकीय लेखांकन
4. सूचना	इस लेखांकन का निर्माण एक निश्चित समय अवधि के पश्चात बाहरी पक्षकारों को सामान्य हानि तथा आर्थिक/वित्तीय की सूचना देना आवश्यक होता है।	जबकि, इस लेखांकन का कार्य प्रबंधकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सूचनाएँ उपलब्ध कराना होता है। तथा ये सूचना आंतरिक होती है।
5. लेखा	इसके अंतर्गत केवल उन्हीं व्यवहारों एवं घटनाओं का लेखा किया जाता है जिन्हें मुद्रा में व्यक्त किया जा सकता है।	जबकि इसमें मौद्रिक तथा अमौद्रिक दोनों प्रकार की घटनाओं व व्यवहारों का लेखा किया जाता है।
6. लेखांकन सिद्धांत	यह परम्परा: स्वीकृत सिद्धांतों एवं परम्पराओं के अनुसार तैयार किया जाता है, इसलिए इनके प्रारूपों में एकरूपता पाई जाती है।	जबकि इसमें कोई निश्चित सिद्धांतों का पालन नहीं किया जाता है।
7. अवधि	इस लेखांकन की अवधि सामान्यतः एक वर्ष की होती है जिसे वित्तीय वर्ष कहा जाता है।	जबकि इसकी अवधि निश्चित नहीं होती है, समय-समय पर आवश्यकता-अनुसार सूचनाएँ सम्पादित व प्रेषित की जाती रहती है।
8. अंकेक्षण	इस लेखांकन का [redacted] अंकेक्षण कराना आवश्यक व अनिवार्य होता है।	जबकि इसका अंकेक्षण कराना अनिवार्य नहीं होता है।
9. क्षेत्र	इस लेखांकन का क्षेत्र सीमित होता है	जबकि इसका क्षेत्र व्यापक होता है, क्योंकि इसमें वित्तीय लेखांकन के साथ-2 लागत लेखांकन व परिमाणात्मक तकनीक का प्रयोग किया जाता है।

Scanned with CamScanner

आधार	वित्तीय लेखांकन	प्रबंधकीय लेखांकन
10. प्रमाप	इस लेखांकन का उद्देश्य बाहरी पक्षकारों को सूचनाएँ प्रदान करना होता है, इसलिए इन्हें विधि कर वित्तीय संस्थानों द्वारा निर्धारित प्रमापों के अनुसार तैयार किया जाता है।	जबकि इसका उद्देश्य आंतरिक प्रयोग हेतु विवरण व सूचनाएँ प्रदान करना होता है, इसलिए इसे आंतरिक प्रबंध द्वारा निर्धारित [redacted] प्रमाप के अनुसार तैयार किया जाता है।
11. निहित लागत	इस लेखांकन में केवल वास्तविक व्यय को दिखाया जाता है, निजी स्वामित्व वाले साधनों की लागत को इस लेखे में नहीं दिखाया जाता है।	जबकि इस लेखांकन में सभी प्रकार के व्ययों पर विचार किया जाता है, अर्थात् वास्तविक व निजी साधनों को भी इस लागत में शामिल किया जाता है।
12. उद्देश्य	इस लेखांकन का उद्देश्य व्यवहारों का लेखन तथा उसके आधार पर निश्चित अवधि के पश्चात लाभ या हानि तथा वित्तीय स्थिति को दर्शाना होता है।	जबकि इसका उद्देश्य प्रबंध में निर्णय लेने, नीतियाँ बनाने तथा योजना तैयार करने में लेखांकन सूचनाएँ प्रदान करना होता है।

Scanned with CamScanner